

## प्रीलिम्स फ़ैक्ट्स: 03 अप्रैल, 2019

- [व्हाट्सएप टपिलाइन](#)
- [अर्थोपाय अग्रमि \(Ways and Means Advances\)](#)

### व्हाट्सएप टपिलाइन

लोकसभा चुनावों के मद्देनज़र हाल में फ़ेसबुक स्वामित्व वाले व्हाट्सएप मैसेंजर ने तथ्यों की जाँच के लिये टपिलाइन (WhatsApp) जारी की है।

- अब किसी भी अनशिचति सूचना या अफवाह (व्हाट्सएप पर प्राप्त हुई) के स्पष्टीकरण के लिये व्हाट्सएप टपिलाइन, +91-9643-000-888 पर संदेश भेजा जा सकता है।
- व्हाट्सएप इस हेल्पलाइन के लिये भारत स्थिति मीडिया स्कलिंगि स्टार्टअप प्रोटो (PROTO) के साथ काम कर रहा है।
- किसी व्हाट्सएप यूज़र द्वारा टपिलाइन के साथ संदगिध संदेश साझा किये जाने के बाद प्रोटो (PROTO) का सत्यापन केंद्र यूज़र को सत्यापन संबंधी जवाब देने की कोशशि करेगा।
- सत्यापन केंद्र पकिचर, वीडियो लकि या टेक्स्ट के रूप में प्राप्त अफवाहों की समीक्षा करेगा और इसमें अंगरेज़ी के अलावा चार अन्य क्षेत्रीय भाषाओं हर्दी, तेलुगू, बंगाली और मलयालम को शामिल करेगा।

### अर्थोपाय अग्रमि (Ways and Means Advances)

हाल ही में रज़िर्व बैंक ने अर्थोपाय अग्रमि (Ways and Means Advances- WMA) की सीमा बढ़ाकर 75,000 करोड़ रुपए कर दी है।

- यह प्रावधान रज़िर्व बैंक ने वतित्तीय वर्ष 2019-20 की पहली छमाही (अप्रैल 2019 से सतिंबर 2019 तक) के लिये कयिा है।
- गौरतलब है कि भारतीय रज़िर्व बैंक, केंद्र और राज्य सरकारों को सरकार के बैंकर के रूप में अस्थायी ऋण सुवधिाएँ देता है, इस अस्थायी ऋण सुवधिा को अर्थोपाय अग्रमि (WMA) कहा जाता है।
- WMA की व्यवस्था सरकार की प्राप्तियों और भुगतान में अस्थायी अंतर को पूरा करने के लिये 1 अप्रैल, 1997 में की गई थी।
- WMA पर ब्याज दर वर्तमान में रेपो दर पर ली जाती है। WMA की सीमाएँ भारतीय रज़िर्व बैंक और भारत सरकार द्वारा पारस्परकि रूप से तय की जाती हैं।